>

Title: Need to give Central assistance to the farmers of Haryana whose crops have been affected by white Backed Plant Hooper.

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा (रोहतक) : सभापति महोदय, आज हरियाणा और उसके साथ लगते हुए प्रदेशों का किसान एक भयंकर परिस्थिति का सामना करने पर मजबूर हो रहा है, खास तौर पर धान की पैदावार करने वाला क्षेत्र, जो अपनी धान की पैदावार करके हिन्दुस्तान के पूरे मुल्क के धान की पूर्ति करता है, उस किसान के सामने बहुत भयानक परिस्थिति उत्पन्न हो गई है। धान के अंदर एक नई किस्म का कीड़ा बहुत तेजी से हमारे क्षेत्र के अंदर फैला हुआ है। इस कीड़े का अलग-अलग नाम दिया जा रहा है। कोई इसे काला मच्छर कह रहा है, कोई इसे छोटा टिड्डा कह रहा है, कुछ साइंटिस्ट्स इसे व्हाइट बैक्ड प्लांट हौपर कह रहे हैं। इसका जो भी नाम हो, यह हमारे क्षेत्र में पहली बार देखा गया है। बासमती की वैरायटी हो, पूसा 1121 की वैरायटी हो, मुच्छल की वैरायटी हो, मोटे की वैरायटी हो, धान की अलग-अलग वैरायटीज़ में अलग-अलग तरीके का नुकसान हुआ। यदि मैं केवल हरियाणा की बात करूं, अभी यह ऐस्टीमेट अधूरा है,

* Not recorded

एक हफ्ते का ऐस्टीमेट यह है कि एक लाख 12 हजार 750 हैक्टेयर के अंदर 25 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक का नुकसान हुआ है।...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आपकी केन्द्र सरकार से क्या डिमांड है?

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा : मैं केन्द्र सरकार से मांग करना चाहता हूं कि वह इस परिस्थिति का जायजा ले। कृषि मंत्रालय एक स्पैशल टीम भेजे। दुर्भाग्य की बात है कि कैलेमिटी रिलीफ फंड, जिसका संचालन कृषि मंत्रालय करता है, उसके अंदर बाढ़ कवर होती है, ओला वृष्टि कवर होती है, लेकिन यदि कीड़े से फसल का नुकसान हो तो वह कवर नहीं होती। यदि आप आज किसान से पूछें तो बाढ़ और ओला वृष्टि से भी ज्यादा भयानक स्थिति है। मैं आज मांग करता हूं कि कृषि मंत्रालय एक टीम भेजकर और कैलेमिटी रिलीफ फंड में स्पैशल प्रोवीजन करके हमें राशि उपलब्ध करवाए। हर एकड़ का मुआवजा किसान तक पहुंचाने का काम केन्द्र सरकार करे। मैं आपको बताना चाहता हूं कि किसान पर पहाड़ टूटा हुआ है। आप और मैं यहां से जाकर खाना खाकर सो जाएंगे, मगर जब मेरे किसान की फसल बर्बाद होती है तो वह अपने घर पर जाकर सो नहीं सकता, किसान सारी-सारी रात जाग रहा है। मैं आपके माध्यम से संरक्षण प्राप्त करते हुए भारत सरकार के सामने अपनी यह मांग रखता हूं।

श्री जय प्रकाश (हिसार): सभापति महोदय, मैं भी श्री हुड्डा के साथ अपने को एसोसिएट करता हूं।

सभापति महोदय : ठीक है, श्री जय प्रकाश को भी इनके साथ एसोसिएट किया जाता है।